

प्रेस रिलीज

रजिस्टर्ड फार्मसिस्ट हेतु एपेक्स फार्मसी इंस्टिट्यूट में यूपी का पहला रिफ्रेशर कोर्स

उत्तरप्रदेश फार्मसी काउंसिल के तत्वाधान में एपेक्स इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मसी चुनार प्रांगण में रजिस्टर्ड फार्मसिस्ट हेतु चेयरमैन संदीप बडोला की पेट्रनशिप में संयोजक प्रधानाचार्य प्रो डॉ सुनील मिश्री की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश के पहले रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि स्टेट काउंसिल के चेयरमैन संदीप बडोला, एपेक्स के चेयरमैन डॉ एसके सिंह, वीपी एपीटीआई, डॉ प्रणय वाल, ओएसडी फार्मसी काउंसिल आरसी श्रीवास्तव, मुख्य वक्ताओं जीएसवीएम की प्रो अमिता तिलक, डॉ एसएस पांडे, मालवीय कैंसर संस्थान के टेक्निकल सदस्य बी सेंथिल कुमार एवं प्राचार्य डॉ मिश्री द्वारा दीप प्रज्वलित कर रिफ्रेशर कोर्स का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि सहित समस्त अतिथियों ने अपने व्याख्यान में अवगत कराया कि फार्मसिस्टों को क्लीनिकल प्रैक्टिस परक रोजगार प्रदान करने हेतु केंद्र सरकार द्वारा 2015 में जारी फार्मसी रेगुलेशन एक्ट जो महाराष्ट्र, मिजोरम, बिहार, एमपी आदि प्रदेशों में लागू किया जा चुका है, जनसंख्या बाहुल्य उत्तरप्रदेश जहां सबसे अधिक रजिस्टर्ड फार्मसिस्ट है में पीपीआरए एक्ट लागू नहीं है, प्रदेश सरकार एवं काउंसिल ने अपने दायित्वों को ध्यान में रखते हुए रजिस्टर्ड फार्मसिस्टों को रिफ्रेशर कोर्स के माध्यम से प्रबुद्ध फार्मा वक्ताओं द्वारा वर्तमान में दिन-प्रतिदिन होने वाले क्लीनिकल अपडेट, फार्मा रिसर्च आदि के विकास की ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान कर उन्हें रोजगार परक गुणवत्ता पूर्ण प्रोफेशनल फार्मसिस्ट बनने के गुर बताया।

अपने वक्तव्य में प्रो मिश्री ने बताया कि स्टेट फार्मसी काउंसिल इस पीपीआर एक्ट को लागू करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है और भविष्य इसके लागू होने के बाद फार्मसिस्ट को पाँच वर्ष में होने वाले रजिस्ट्रेशन नवीनीकरण के लिए रिफ्रेशर कोर्स प्रतिभागिता प्रमाणपत्र देना अनिवार्य होगा। एपेक्स के चेयरमैन डॉ एसके सिंह ने कोरोना काल का उदाहरण देते हुए फार्मसिस्टों द्वारा चिकित्सा क्षेत्र में दी जाने वाली सेवाओं की सराहना करते हुए इस रिफ्रेशर कोर्स द्वारा अपने ज्ञान वर्धन के लिये शुभकामनायें प्रदान की एवं काउंसिल अध्यक्ष से मिर्जापुर को फार्मसी हब बनाने हेतु अनुरोध किया। कोर्स में प्रदेश के मिर्जापुर, सोनभद्र, वाराणसी के अतिरिक्त प्रदेश के अन्य 14 जिलों के 700 फार्मसिस्टों ने भाग लिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन एवं सफल संयोजन डॉ नरेंद्र, प्रो योगेश, प्रो संजय, प्रो अनुराधा, प्रो रवि, प्रो सूरज, प्रो दीक्षा, डॉ जलालुद्दीन, प्रो राम मनोहर, प्रो अभय, प्रो नेहा, प्रो सुल्तान आदि द्वारा किया गया।